किताब

किताब मेरी दुनिया है,
मुझे जीने की कला सिखलाती है,
अच्छे- बुरे का सहज बोध कराती है,
स्मृति व बुद्धि निखारती है,
कौशल सँवारती है|

किताब मेरी परम मित्र है,
दुनिया घुमाती है,
जिज्ञासा बढ़ाती है,
कभी गुस्सा नहीं होती,
ईर्ष्या नहीं करती,
उलाहना नहीं देती|

किताब मेरी शिक्षक,
मेरी- मार्गदर्शन है,
जिज्ञासा बढ़ाती है,
तनाव घटाती है,
अंतर्द्वंदो से उभारती है,
समय का सदुपयोग करती है,
आदमी बनाती है|

जगदीश शर्मा